कैंसर का उपचार ले रहे सभी बच्चों के माता- पिता हेतु निर्देश एवं परामर्श

क. मुखीय स्वच्छता

1. बच्चे के खाने अथवा पीने के बाद हर बार 2% बीटाडीन से गरारा कराये तथा मुँह साफ करें।
2. रात को सोने से पहले बच्चे को नरम ब्रश से ब्रुश कराये।

3. यदि बच्चों में मुखीय अल्सर हो रहा है तो, लोट्रेल/कैंडिड लोशन का प्रयोग करें।

ख. सामान्य स्वच्छता

1. प्रतिदिन बच्चे को स्नान कराये/यदि बच्चा बीमार है तो तौलिए से साफ कर दें।
2. कपड़े प्रतिदिन बदलें।
3. मास्क पहनें और बच्चे को भी पहनाएँ।

4. रोगी को किसी अन्य व्यक्ति से भेंट नहीं करानी चाहिए, उस व्यक्ति को किसी भी तरह का संक्रमण हो सकता है।
5. बच्चे के परिजन अपने आप को भी साफ़ रखे।

ग. हाथ धोना

1.रोगी को छूने से पहले अपने हाथ साबुन तथा पानी से अच्छी तरह धोने चाहिये।

1.बच्चे को खाना खिलाने से पहले हाथ धोये।

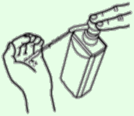

2.शौचालय जाने के बाद साबुन से हाथ धोये।

3.यदि पानी उपलब्ध न हो तो जीवाणुहीन (STEILIUM/PUREHAND) से साफ करें।

घ. कमरे की स्वच्छता

1. जिस कमरे में रोगी का उपचार हो रहा हो, उस कमरे में जूते/चप्पल न ले जाएँ, एवं जिस कमरे में बच्चा और आप रहे उस कमरे को भी साफ़ रखे।

ङ. सुरक्षित भोजन एवं पानी

1. केवल भली-भाँति पका हुआ भोजन ही खाये।
2. गली में रेहड़ी पर बेचने वालों से खाना नहीं लेना चाहिए।
3. पीने के लिए उबालकर ठण्डा किया पानी ही प्रयोग करें।

च. टीका

1. उपचार अवधि के दौरान परिवार में रोगी तथा अन्य भाई-बहनों को मुखयी पोलियो टीका न दें।
2. खसरा तथा एम एम आर (MMR) टीका न लगवाये।
3. चिकित्सक से परार्मश के बाद आप चेचक तथा हेपेटाइटिस बी का टीका लगवा सकते है।

छ. सिट्ज़ बाथ

1. बच्चे को सिट्ज़ बाथ जरूर कराये। बच्चे को गुनगुने पानी से भरे साफ़ टब में नियमित रूप से बैठाये।

- ⊙अपने बच्चे का इलाज सही तरीके से व समय से कराये।
- ⊙डाक्टर की सलाह पर पूरा ध्यान दें।
- ⊙बच्चे को यदि बुखार, अधिक खाँसी, उल्टी, मुँह में छाले, साँस में तकलीफ हो, कहीं से खून बहने लगे या बच्चा सुस्त हो जाए या खाना बंद कर दे; तुरन्त अपने डाक्टर से सलाह करें।

इमरजेंसी में तुरंत अपने डॉक्टर से बच्चों की इमरजेंसी में सम्पर्क करें । **हेल्प लाइन नंबर - 9810590067**